**आकाशवाणी श्री विजयपुरम**

दिनांक : 05.06.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने आज विशेष वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया।
- सरकार ने 11 वर्ष पूरे होने पर अपने उल्लेखनीय परिवर्तनों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया।
- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आज एक पेड़ मां के नाम के दूसरे अभियान–2.0 की शुरुआत की।
- मंत्रालय ने ई–श्रम पोर्टल के तहत दावा निपटान प्रस्तुत करने की समय सीमा बढ़ाकर 30 जून कर दिया है।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली पार्क में विशेष वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। श्री मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम पहल के तहत बरगद का पौधा लगाया। यह पौधा अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के एक भाग के रूप में लगाया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पृथ्वी की रक्षा करने और आजकल सामने आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए अपने प्रयासों को और मजबूत करने का आग्रह किया है।

पर्यावरण की रक्षा के बारे में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो साझा करते हुए, श्री मोदी ने पर्यावरण को हरा–भरा और बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले सभी लोगों की सराहना की।

<><><><><><><><>

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांतों से प्रेरित होकर भारत ने एक दशक तक उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। पिछले एक दशक में, भारत की सांस्कृतिक यात्रा के दौरान हम्पी के कालातीत मंदिरों से लेकर शास्त्रीय संगीत और नृत्य की जीवंत परंपराओं तक, सरकार ने मूर्त और अमूर्त दोनों तरह की विरासत को नई ऊर्जा दी है। अयोध्या में राम मंदिर आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर परियोजना ने प्रतिष्ठित काशी विश्वनाथ मंदिर को सीधे गंगा नदी से जोड़कर तीर्थयात्रियों के अनुभव को बदल दिया है। उज्जैन में, विश्व स्तरीय सुविधाएं और आध्यात्मिक माहौल प्रदान

करने के लिए महाकाल लोक परियोजना शुरू की गई। हिमालय में, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के पुनर्विकास ने इन पवित्र मंदिरों में जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए बुनियादी ढांचे और सुरक्षा को मजबूत किया है। स्वदेश दर्शन योजना ने यात्रा के बुनियादी ढांचे को और बढ़ावा दिया है, जिसमें पहचान किए गए सर्किटों में 76 परियोजनाओं के लिए 5,000 करोड़ रुपये से अधिक मंजूर किए गए हैं। विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना ने 12 विरासत शहरों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत ने विदेशों से 350 से अधिक मूर्तियों और कला– कृतियों को भी वापस लाया है, जिससे अमूल्य विरासत को बहाल किया गया है। पीएम गति शक्ति और भारतमाला पहल के तहत तीर्थयात्रा संपर्क को बढ़ाया गया है, बेहतर सड़कों, रोपवे और रेल संपर्कों से पवित्र स्थलों तक पहुंच में सुधार हुआ है। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण इतिहास को संरक्षित करने, आस्था को मजबूत करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एकता को बढ़ावा देने के बारे में है।

<><><><><><><>

इसके अलावा पिछले दशक में, भारत का सांस्कृतिक पुनरुत्थान एक जीवंत चित्रपट की तरह सामने आया है। सरकार ने भारत के सच्चे राष्ट्र–निर्माताओं को सम्मानित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आजादी के 75 साल पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव जैसे अभियानों ने देश भर में आयोजित सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र के बलिदानों और उपलब्धियों का जश्न मनाया। प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, भारत मंडपम और नए संसद भवन सहित लंबे समय से लंबित स्मारक राष्ट्रीय एकता के गौरवशाली प्रतीकों में बदल दिए गए हैं। एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत, काशी तमिल संगमम और महाकुंभ 2025 जैसे आयोजनों में विविधता में एकता का जश्न मनाया गया। इस बीच, बौद्ध शिखर सम्मेलन और सिख गुरुओं के प्रकाश पर्व जैसे वैश्विक आयोजनों ने भारत की आध्यात्मिक विरासत को मज़बूत किया। 23 करोड़ से ज़्यादा लोगों की भागीदारी और 2024 में नए विश्व रिकॉर्ड बनाने के साथ, योग एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। आयुर्वेद भी भारत को समग्र स्वास्थ्य सेवा के केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। भारत ने यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, जिसमें 43 विश्व धरोहर स्थल और संभावित सूची में 62 और शामिल हैं। इसके अलावा, विश्व ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट जैसे आयोजन वैश्विक मंच पर भारत की मीडिया और मनोरंजन प्रतिभा को प्रदर्शित कर रहे हैं। आज भारत की समृद्ध संस्कृति न केवल हमारे देश में चमक रही है, बल्कि दुनिया भर में प्रकाश फैला रही है।

<><><><><><><><>

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज नई दिल्ली में पौधारोपण किया और एक पेड़ मां के नाम के दूसरे अभियान–2.0 की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मिशन लाइफ के लिए इको क्लबों की गतिविधियों की निगरानी के लिए एक वेब पोर्टल सहित एक पेड़ मां के नाम के दूसरे अभियान–2.0 पर विशेष मॉड्यूल और एक वेबसाइट भी लॉन्च की। उन्होंने प्रत्येक जीवित प्राणी के अस्तित्व के लिए पेड़ों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

मंत्री ने 2070 तक नेट जीरो की कल्पना करने के लिए भावी पीढ़ियों को तैयार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत विकास प्रथाओं को अपनाने का भी आह्वान किया।

<><><><><><><><>

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए ई–श्रम पोर्टल लॉन्च किया गया है। मंत्रालय ने पात्र पंजीयकों द्वारा दावों को प्रस्तुत करने और निपटाने की सुविधा के लिए एक ई–श्रम अनुग्रह मॉड्यूल विकसित किया और जिला उपायुक्तों को ऐसे दावों के लिए अनुमोदन प्राधिकारी के रूप में नामित किया गया है। मंत्रालय ने ई–श्रम पोर्टल के तहत दावा निपटान प्रस्तुत करने की समय सीमा बढ़ाकर 30 जून, कर दिया है। पोर्टल पर पंजीकृत व्यक्ति, जिनकी 31 मार्च, 2022 को या उससे पहले आकस्मिक मृत्यु, आंशिक या स्थायी विकलांगता हुई है और जिन्होंने अभी तक अपने दावे प्रस्तुत नहीं किए हैं, उनसे पोर्टल के माध्यम से अपने दावे प्रस्तुत करने को कहा गया है। लाभार्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ श्रम विभाग के भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की सुविधा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><><>

ईद–उल–अज़हा सात जून को मनाया जाएगा। इस सिलसिले में अबरडीन बाजार स्थित जामा मस्जिद में सुबह साढ़े सात बजे और सप्लाई लाईन स्थित पुलिस मस्जिद मे सात बजकर पैंतालीस मिनट पर ईद की नमाज अदा की जाएगी।

<><><><><><><><>

विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने के उपलक्ष्य में, भारत पर्यटन ने अंडमान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के सहयोग से जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के छात्रों के लिए रेड स्किन द्वीप पर एक अध्ययन दौरे का आयोजन किया। इस दौरान  वन अधिकारियों ने उन्हें द्वीपसमूह के पारिस्थितिक महत्व और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। भारत पर्यटन के सहायक निदेशक एन. वेलमुरुगन ने अपने संबोधन में प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और युवाओं के बीच स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

<><><><><><><><>